दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी
वर्ष 15 /अंक 52 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com | e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

गवर्नर का पद भारतीय लोकतंत्र को खतरा

ओआईसिस स्कूल के पास नदी में बाढ आने से

मूल्य- 2 रु.

भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिए, पीएम का संदेश, विश्व को सुखी बनाने का बुद्ध मंत्र ही एकमात्र रास्ता

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में शुरू हुए वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन में गौतम बुद्ध की महान शिक्षाओं का जिक्र करते हुए दुनिया को संदेश दिया। पीएम मोदी ने कहा कि गौतम बुद्ध की महान शिक्षाओं ने सदियों से अनगिनत लोगों को प्रभावित किया है। भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरित होकर भारत वैश्विक कल्याण के लिए नई पहल कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन-रूस युद्ध, मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चिंताओं को इस सदी की सबसे बड़ी चुनौती करार देते हुए कहा कि आज समय की मांग है कि प्रत्येक राष्ट्र की प्राथमिकता अपने देश के हित के साथ ही विश्व हित भी हो। राजधानी स्थित अशोक होटल में आयोजित पहले वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया जिस युद्ध और अशांति से पीड़ित है, उसका समाधान बुद्ध के उपदेशों में है।

उन्होंने कहा कि हमें विश्व को सुखी बनाना है, तो स्व से निकलकर संसार, संकुचित सोच को त्यागकर, समग्रता का यह बुद्ध मंत्र ही एकमात्र रास्ता है। मोदी ने कहा कि सभी को अपने आस-पास गरीबी से जूझ रहे लोगों के बारे में और साथ ही संसाधनों के अभाव में फंसे देशों के बारे में सोचना ही होगा।

उन्होंने कहा कि एक बेहतर और स्थिर विश्व की स्थापना के लिए यही एक मार्ग है। आज यह समय की मांग है कि हर व्यक्ति की, हर राष्ट्र की प्राथमिकता अपने देश के हित के साथ ही विश्व हित भी हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बात सर्व स्वीकार्य है कि आज का यह समय इस सदी का सबसे चुनौतीपूर्ण समय है। प्रधानमंत्री ने बौद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व के हर मानव के दुःख को अपना दुःख समझता है। दुनिया के अलग-अलग देशों में पीस मिशन हों, या तुर्किये के भूकंप जैसी आपदा हो, भारत अपना पूरा सामथ्र्य लगाकर, हर संकट के समय मानवता के साथ खड़ा होता है, मम भाव से खड़ा होता है।

भारत-अमरीका का कॉमन दुश्मन चीन; यूएस ने कहा, एक समान सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे दोनों देश

वाशिंगटन। अमरीका के एक शीर्ष कमांडर ने कहा कि भारत और अमरीका चीन से एक समान सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी उत्तरी सीमा की सुरक्षा में जुटे भारत को बाइडेन प्रशासन न केवल ठंड के लिए आवश्यक सामान उपलब्ध करवा कर सहायता पहुंचा रहा है, बल्कि वह उसे अपना औद्योगिक आधार विकसित करने की उसकी कोशिश में भी मदद कर रहा है। अमरीका की हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन क्रिस्टोफर एक्विलिनो ने हिंद-प्रशांत राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को लेकर प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति को बताया कि हम भारत के साथ अपनी साझेदारी को महत्त्व देते हैं और समय के साथ हम इसे बढ़ा रहे हैं। उनके समक्ष भी वही सुरक्षा चुनौती है, प्राथमिक सुरक्षा चुनौती है।

देश को मिला पहला एप्पल स्टोर, टिम कुक ने खुद किया ग्राहकों का स्वागत

मुंबई। भारत का पहला एप्पल स्टोर आज मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खुल गया है. स्टोर का उद्घाटन एप्पल के टिम कुक ने किया. स्टोर का दरवाजा खोलकर टिम कुक ने औपचारिक उद्घाटन किया. बाहर आकर टिम कुक ने हाथ हिलाकर इंतजार कर रहे लोगों का अभिवादन किया और बाद में नमस्ते भी किया. टिम कुक आज खुद भी एप्पल स्टोर में आए ग्राहकों का स्वागत कर रहे हैं. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में नए एप्पल स्टोर पर जश्न का माहौल है. एप्पल का स्टाफ गर्मजोशी और उत्साहित है. टिम कुक ने खुद सभी स्टाफ में जोश भरा है. आरंभ में लोगों में टिम कुक के साथ सेल्फी लेने की होड़ मची रही. बता दें कि एप्पल का मुंबई का स्टोर 28000 स्क्वेयर फीट क्षेत्रफल में बना है। एप्पल स्टोर का मकसद यहां पर लोगों को अपने उत्पाद को सीधे बेचना, उनकी सर्विसेज और अन्य एसेसरीज को उपलब्ध कराना है. स्टोर का डिजाइन भी अच्छे से तैयार किया गया है. बता दें कि आज के ऐप्पल स्टोर के उद्घाटन का गवाह बनने के लिए काफी दूर से लोग मुंबई पहुंचे थे. वहां पर महाराष्ट्र और खासतौर पर मुंबई के अलावा गुजरात और राजस्थान से भी लोग पहुंचे। मौके पर एप्पल का एक फैन 1984 का ऐप्पल का कंप्यूटर लेकर पहुंचा था. उसका कहना था कि वह यहां पर यह पुराना कंप्यूटर इसलिए लाया ताकि लोगों को एप्पल की जर्नी समझ में आए और वे अपने फोन के फ्लैश जलाकर स्टोर के खुलने का स्वागत कर रहे थे. एक प्रशंसक ने कहा कि वह घंटों से बिना खाए-पिए स्टोर के खुलने का इंतजार कर रहे हैं. राजस्थान से आए एक फैन ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि टिम कुक से मिलने अवसर मिल जाएगा. इन्होंने कहा कि वे पिछले 10 सालों से एप्पल का उत्पाद प्रयोग में ला रहे हैं।

पुंछ में सेना के ट्रक पर ग्रेनेड अटैक, पांच जवान शहीद

जम्मू(एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर में भीमबेर गली और पुंछ के बीच सेना के ट्रक पर आतंकवादियों ने गोलीबारी कर दी। हमले में पांच जवान शहीद हो गए। फायरिंग के दौरान ट्रक में आग लग गई। ऐसी संभावना है कि आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमला किया था। सेना ने बताया कि भारी बारिश के कारण विजिबिलिटी कम थी। इसी का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी की। शहीद हुए पांचों जवान क्षेत्र में काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए तैनात थे। हमले में एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल है,

उसे राजौरी के सेना अस्पताल ले जाया गया। जैश समर्थित आतंकी संगठन पीएएफएफ यानी पीपल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। जहां हादसा हुआ, वह इलाका पुंछ से 90 किलोमीटर दूर है। सेना के ट्रक में आग लगने की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग काबू करने में मदद की। सेना के मुताबिक इस क्षेत्र में काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए तैनात राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के पांच जवान घटना में शहीद हुए हैं। एक अन्य गंभीर रूप से घायल जवान को तुरंत राजौरी के सेना अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।

दिल्ली के साकेत में खुला एप्पल का दूसरा स्टोर

दिल्ली के सलेक्ट सिटी वाक मॉल साकेत में एप्पल के दूसरे स्टोर की ग्रैंड ओपनिंग हो चुकी है. एप्पल के सीईओ टिम कुक ने इसकी ग्रैंड ओपनिंग की है. इससे पहले टिम कुक ने भारत के मुंबई में एप्पल के पहले रिटेल स्टोर की ओपनिंग की थी. टिम कुक ने इस दौरान हाथ जोड़कर लोगों का स्वागत किया. एप्पल के दूसरे रिटेल स्टोर को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ लगी रही. सुबह से ही लोग लाइन में लगे रहे और टिम कुक से मिलने और एप्पल रिटेल स्टोर में जाने का इंतजार कर रहे थे. एप्पल का साकेत स्टोर की ओपनिंग सिटी वॉक मॉल में की गई है. ओपनिंग के बाद एप्पल के सीईओ टिम कुक ने लोगों से मुलाकात की. बता दें कि साकेत में खुला एप्पल स्टोर का साइज मुंबई के स्टोर से काफी कम है. ये 8,417.83 स्क्वायर फीट है, जबकि मुंबई का 20 हजार स्क्वायर फीट है. हालांकि दोनो स्टोर का किराया लगभग सेम है. दिल्ली के एप्पल स्टोर का किराया 40 लाख हर महीने और मुंबई वाले स्टोर का किराया 42 लाख रुपये है। एप्पल के दिल्ली वाले स्टोर पर 70 कर्मचारी हैं, जिसमें आधे से ज्यादा संख्या में महिलाएं भी हैं. वहीं मुंबई वाले स्टोर यानी एप्पल बीकेसी पर 100 कर्मचारी है। और यहां भी महिला कर्मचारियों की संख्या ज्यादा है. इस स्टोर को 'Indianise' रखने का प्रयास किया गया है. इस स्टोर के कई द्वार हैं, जिसमें से प्रत्येक द्वार शहर के अलग-अलग इतिहास

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल
uttarakhandprahari19@gmail.com या
whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

समलैंगिकता 'कुदरत' के खिलाफ

सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने समलैंगिक शादी को कानूनी-सामाजिक मान्यता देने और 'स्पेशल मैरिज एक्ट' में संशोधन करने पर एक नई बहस शुरू की है। संविधान पीठ शादी की नई व्याख्या भी कर सकती है। कानून में 'पुरुष' और 'स्त्री' शब्दों के स्थान पर 'जीवन-साथी' शब्द स्थापित किया जा सकता है। ऐसी दलीलें सामने आई हैं। बहस से पहले यह सबसे अहम है कि क्या समलैंगिक यौन संबंध नैसर्गिक और प्राकृतिक हैं? क्या उन्हें 'अनैतिक' और 'गलत' करार नहीं दिया जाना चाहिए? सर्वोच्च अदालत ने 2018 में धारा 377 के तहत समलैंगिकता को 'अपराध' की श्रेणी से मुक्त किया था, लिहाजा उसे कुछ स्वीकृति मिली थी, लेकिन उसके मायने ये नहीं हैं कि प्रकृति की संरचनाओं से खिलवाड़ किया जाए। कुदरत ने सभी जीवों, प्राणियों में 'नर-मादा' की संरचना की है। उनके भीतर ऐसे समीकरण, प्रक्रियाएं तैयार की हैं कि दोनों का 'मिलन' एक और प्राणी को जन्म देता है। समलैंगिकों का जन्म भी इसी तरह हुआ है। जन्म और संरचना की यह प्रक्रिया एकदम 'दैवीय' लगती है। जिस तरह एक नए जीव का मस्तिष्क, चेहरा-मोहरा, शारीरिक अंग, हृदय और दूसरे हिस्से और उंगलियों पर लकीरें आदि हम देखते हैं, उन्हें कौन गढ़ता है? हम अचंभित होते रहते हैं कि 'नर-मादा' के मिलन से ही ऐसी संरचना कैसे बन जाती है? हमारे वेद, पुराण, उपनिषद आदि प्राचीन महाग्रंथों में जीव, प्राणी की संरचना, आत्मा और ब्रह्मांड के निरंतर निर्माण के संदर्भ में उल्लेख हैं और व्याख्याएं भी की गई हैं। कोई संविधान, कानून और व्यक्तिपरक बौद्धिकता ऐसी नैसर्गिक और प्राकृतिक संरचनाओं की समीक्षा नहीं कर सकते। यह व्यक्ति की क्षमताओं से बहुत परे है। उनके खिलाफ कानूनी प्रावधान स्थापित नहीं कर सकते। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में 'विवाह' को एक पवित्र संस्कार माना गया है। यह एक सामाजिक संस्थान भी है। विवाह के जरिए वंश-वृद्धि को सामाजिक मान्यता और स्वीकृति मिली है। समाज और दुनिया ऐसे ब्याहता जोड़े को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

जीव और मानवीय लैंगिकता उनके 'जननांग' से ही परिभाषित होती है। वैचारिक लैंगिकता उसके बाद ही आती है। अदालत कोई नई परिभाषा तय करना चाहती है, तो हम उसका भी आकलन करेंगे और फिर व्याख्या भी करेंगे। यह आधुनिक मतिभ्रम हो सकता है कि समलैंगिक होना भी 'प्रगतिशील' लगे। किन देशों में, किन स्थितियों में इसे कानूनी-सामाजिक-मानसिक मान्यता मिली है, उससे हमें ज्यादा सरोकार नहीं है। समलैंगिक भी भारत देश के नागरिक हैं, लिहाजा उनके मौलिक और संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित हैं।

नर-नर और मादा-मादा का विवाह न तो मौलिक अधिकार है, अलबत्ता उन्हें भी शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका आदि के अधिकार प्राप्त होने चाहिए। उनकी मनोविकृति शारीरिक स्तर पर है, उसका निदान किया जाना चाहिए। समलैंगिक संबंध और शादी के अधिकार और मान्यता का ही सवाल नहीं है। परिवार और संबंध से जुड़े पर्सनल लॉ, बच्चे गोद लेने का अधिकार, उत्तराधिकार एवं संपत्ति के अधिकार भी ऐसे संवेदनशील मुद्दे हैं, जिन पर बड़े विवाद पनपते रहे हैं और संबंधों का ताना-बाना भी बिखर सकता है। जिस स्तर पर समलैंगिकता की समीक्षा की जा रही है, वह स्तर भी देश के लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

गवर्नर का पद भारतीय लोकतंत्र को खतरा

भानु धमीजा

गवर्नरों पर संविधान की खामोशी पर बीआर अंबेडकर इतने उत्तेजित थे कि उन्होंने संपूर्ण दस्तावेज की भत्र्सना कर दी। संविधान अंगीकृत करने के मात्र तीन वर्ष उपरांत उन्होंने राज्यसभा में तर्क दिया कि गवर्नरों को स्पष्ट अधिकार देने के लिए संविधान संशोधित किया जाए। ''हमें यह विचार विरासत में मिला है कि गवर्नर के पास कोई शक्ति नहीं होनी चाहिए, कि उसे रबड़ स्टैंप होना चाहिए'', उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र के प्रति यही हमारी धारणा है जिसे हमने इस देश के लिए विकसित किया है।'' जब कुछ सदस्यों ने यह कहकर अंबेडकर को चिढ़ाया कि उन्होंने स्वयं संविधान लिखा है तो उन्होंने तपाक से कहा, ''मैं इसे जला देने वाला पहला व्यक्ति हूंगा। मैं इसे नहीं चाहता। यह किसी के लिए अनुकूल नहीं।'' गवर्नर के खतरों को सीमित करने के लिए गुजरे समय में कई प्रस्ताव सामने लाए गए। स्वयं भाजपा ने 80 के दशक में सुझाव दिया था कि अनिवार्य परामर्श के उपरांत ही राज्य विधायिका द्वारा तैयार एक पैनल में से गवर्नर का चयन होना चाहिए

गवर्नरों और भारत की विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के बीच झड़पें सामान्य हो चली हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली में ऐसे संघर्ष सामने आए हैं। जब पंजाब के गवर्नर और मुख्यमंत्री के मध्य विधानसभा सत्र बुलाने को लेकर ताजा खींचतान सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची, तो न्यायाधीशों ने दोनों पार्टियों को यह कहकर लताड़ा कि उनका संवाद देश को ''निम्नतम स्तर'' पर ले जाएगा। कुछ दिन पहले आठ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भेजा जिसमें आरोप लगाया गया कि केंद्र की बीजेपी सरकार गवर्नर के पद का ''दुरुपयोग'' कर रही है। भारतीय संघ के आरंभ से ही ऐसे संघर्ष सामने आते रहे हैं। नेहरू के शासन काल में वर्ष 1956 में गवर्नरों की काउंसिल ने स्वीकार किया था कि कुछ परिस्थितियों में ''गवर्नर भारत सरकार के एजेंट के तौर पर काम कर सकता है।'' वर्ष 1988 में सरकारिया आयोग ने केंद्र-राज्य संबंधों पर पाया कि ''अपने राजनीतिक हित साधने के लिए'' कुछ राज्यपालों की कुर्सियां केंद्र द्वारा इस्तेमाल की जा रही थीं। वर्ष 1990 में पूर्व गवर्नर सी. सुब्रह्मणियन ने स्पष्ट कहा कि गवर्नर का पद ''पार्टी की नियुक्ति'' बन गया था।

यहां तक कि जब संविधान लिखा जा रहा था, यह स्पष्ट था कि गवर्नर का पद केंद्र की सत्ताधारी पार्टी द्वारा नियंत्रित होगा। यही मुद्दा नेहरू और वल्लभभाई पटेल के मध्य टकराव का प्रथम स्रोत बना। दरअसल पटेल जनता द्वारा गवर्नर का प्रत्यक्ष निर्वाचन चाहते थे। आरंभ में पटेल के दृष्टिकोण का पक्ष लिया गया। इन दो नेताओं की अध्यक्षता में बनी दो सर्वोच्च समितियों की संयुक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि ''गवर्नर राज्य द्वारा नियुक्त किया जाना चाहिए, केंद्र सरकार की ओर से नहीं।'' पटेल का आदर्श 'प्रांतीय संविधान', जिसमें यह व्यवस्था थी कि हर राज्य का गवर्नर ''जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचित होगा'', उसे संविधान सभा से स्वीकृति भी मिल गई। परंतु दो साल बाद, बड़ा निर्णय वापस लेने के एकमात्र घटनाक्रम में, सभा ने गवर्नर के चयन का तरीका ''निर्वाचित'' से बदलकर ''सीधे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त'' कर दिया। नेहरू ने स्वयं निर्णय बदलने के लिए तर्क दिए। उनका कहना था कि एक निर्वाचित गवर्नर ''अलगाववादी प्रांतीय प्रवृत्ति को बढ़ावा देगा'' और ''प्रांत की सरकार के लिए एक प्रकार से प्रतिद्वंद्वी तैयार करेगा।'' कई सदस्यों ने चिंता जताई कि गवर्नरों पर केंद्र के नियंत्रण ने भारतीय लोकतंत्र के लिए जोखिम पैदा कर दिया है। सर्वेंट्स ऑफ इंडिया नामक एक स्वतंत्र संगठन के अध्यक्ष हृदयनाथ कुंजरू ने सार्वजनिक रूप से कहा : ''अगर आप प्रांतों को नियंत्रित करने की शक्तियों सहित केंद्रीय कार्यकारी थोपते हैं तो देश में तानाशाही का गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा।''

हमारे लोकतंत्र के लिए इससे भी अधिक खतरनाक यह है कि संविधान गवर्नरों की शक्तियों को लेकर अस्पष्ट है। यह गवर्नर को बाध्य करता है कि वह राज्य से सीएम की ''सलाह'' का पालन करे। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस स्थिति की बार-बार पुष्टि की है। परंतु गरमाई राजनीति के समय में, जब इस पद की सर्वाधिक आवश्यकता है, संविधान तीन अहम बिंदुओं पर खामोश है : सरकार बनाने के लिए निमंत्रण किसे दिया जाना है, विधानसभा का सत्र कब बुलाया जाए या सत्रावसान कब हो, और विधेयक को मंजूरी कब दी जाए। इन सभी क्षेत्रों में शक्तियों का दुरुपयोग वर्ष 1952 में ही आरंभ हो गया।

युवाओं में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय

प्रो. मनोज डोगरा

आयुष्मान भव, जुग-जुग जियो, दूधो नहाओ पूतो फलो जैसे आशीर्वादों से भरे देश में जिन्दगी को ठोकर मार कर मौत की आगोश में सो जाने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बीते पांच दशक में भारत में आत्महत्या की दर में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आत्महत्या के बारे में हम लम्बे समय से सुनते आ रहे हैं। कर्ज, भूख, गरीबी, बीमारी से लगातार आत्महत्या कर रहे किसानों का मामला बहुत गम्भीर है। यह चर्चा का वृहद विषय है, जिसके चलते देश में किसानों-मजदूरों की आत्महत्याओं का आंकड़ा भयावह है। मगर चिन्ता की बात यह है कि किसानों के बाद देश की पढ़ी-लिखी युवा आबादी भी आत्महत्या की ओर तेजी से बढ़ रही है।

भारत एक युवा राष्ट्र है अर्थात यहां युवाओं की आबादी सबसे ज्यादा है, मगर यह विचलित करने वाली बात है कि इस आबादी का बड़ा हिस्सा निराशा और अवसाद से ग्रस्त है। वह दिशाहीन और लक्ष्यहीन है। खुद को लूजर समझता है। लक्ष्य को हासिल करने के पागलपन में उसके अन्दर संयम, संतुष्टि और सहन करने की ताकत लगातार घट रही है और किसी क्षेत्र में असफल होने पर जीवन से नफरत के भाव बढ़ रहे हैं। शिक्षा, बेरोजगारी, प्रेम जैसे कई कारण हैं जो युवाओं को आत्महत्या की ओर उकसाते हैं। राष्ट्रीय क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में आत्महत्या करने वालों में सबसे ज्यादा (40 फीसदी) किशोर और युवा शामिल हैं। शायद ही ऐसा कोई दिन गुजरता होगा जब समाचार पत्रों में किसी की आत्महत्या की खबर नहीं छपती है। कई बार छोटी-छोटी मुश्किलों का मुकाबला करने की जगह लोग उससे घबराकर आत्महत्या जैसे खतरनाक कदम उठा लेते हैं।

परीक्षा में तनाव हो या घर में झगड़ा, व्यापार में घाटा हो जाए या फिर नौकरी में किसी प्रकार की परेशानी आ रही हो, यहां तक कि प्रेम प्रसंग के मामले से लेकर उम्र के आखिरी पड़ाव में अवसाद से ग्रसित लोग भी आत्महत्या कर लेते हैं। वास्तव में एक तरफ जहां इंसान तेजी से विकास कर रहा है, रोजाना नई-नई तकनीकों के माध्यम से जीवन को आरामदायक बना रहा है, तो वहीं दूसरी ओर बढ़ते मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या जैसे मामले भी दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। वैसे तो हर उम्र के व्यक्तियों में आत्महत्या की प्रवृत्ति देखी जा रही है, परंतु 15 से 35 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में इसकी संख्या अधिक सामने आती है। आत्महत्या करने के कई कारण हैं, परंतु भारत में इसके मुख्य कारणों में नौकरी का नहीं मिलना या नौकरी का छूट जाना, सामाजिक तौर पर मानसिक तनाव, बच्चों में पढ़ाई का तनाव, किसानों द्वारा बैंकों से लिए गए ऋण का समय पर नहीं चुका पाना, दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के चलते स्त्रियों पर मानसिक तनाव अथवा छेड़छाड़ या दुष्कर्म के बाद समाज के तानों से घबराकर भी आत्महत्या कर लेना एक मुख्य कारण है। पिछले कुछ सालों में भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में खुदकुशी की घटनाओं में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। इन सबमें चौंकाने वाली बात तो यह है कि महिलाओं की तुलना में आत्महत्या करने की दर पुरुषों की ज़्यादा है और अब बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार हर 4 मिनट में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। हर साल लगभग 8 लाख से ज़्यादा लोग अवसाद यानी डिप्रेशन में आत्महत्या कर लेते हैं जिसमें अकेले 17 फीसदी की संख्या भारत की है जबकि इससे भी अधिक संख्या में लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं। यह स्थिति बहुत डराने वाली है और इससे पता चलता है।

कि वर्तमान में लोग किस स्तर के मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। कोरोना काल में आत्महत्या करने की यह प्रवृत्ति खतरनाक रूप से बढ़ी है। बीबीसी में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 के दौरान अकेले भारत में ही आत्महत्या करने वालों की संख्या 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ी है। लॉकडाउन के दौरान काम नहीं मिलने और व्यापार ठप्प हो जाने से हताश होकर मध्यम वर्ग और दिहाड़ी-मजदूरी करने वालों में आत्महत्या करने के आंकड़े ज़्यादा देखे गए हैं। उद्योग धंधे बंद हो जाने से परेशान कई प्रवासी मजदूरों के सामने भूखे रहने की नौबत आ गई थी। आज के समय में आत्महत्या जैसे मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। एनसीआरबी डेटा उद्धृत (आयु वर्ग 18-30 साल के बीच) 37941 पुरुषों और 18588 महिलाओं ने क्रमशः 2:1 के अनुपात से आत्महत्या की है। वैसे ही (30-45 साल की उम्र के बीच) 40415 पुरुषों और 11629 महिलाओं ने 3:1 अनुपात के साथ आत्महत्या की है। 45-60 सालों में, संख्या 24555 पुरुष और 5607 महिलाएं फिर ही जिसका अनुपात 5:1 रहा। इसका मतलब यह है कि महिलाओं के सशक्तिकरण या कल्याण के लिए किए गए कदम महिलाओं के लिए कुछ हद तक उपयोगी हैं लेकिन इसके विपरीत पुरुषों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं जिन्हें अक्सर अपराधियों के रूप में देखा जाता है, कार्यकर्ताओं को पुरुषों के अधिकारों के लिए लडऩे के लिए भी प्रेरित होना चाहिए ताकि हमारा पुरुष वर्ग इस आत्महत्या के चंगुल में और न फंसे।

वैद्यानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

ओआईसिस स्कूल के पास नदी में बाढ आने से तटीय क्षेत्र में फंसे कुछ बच्चे

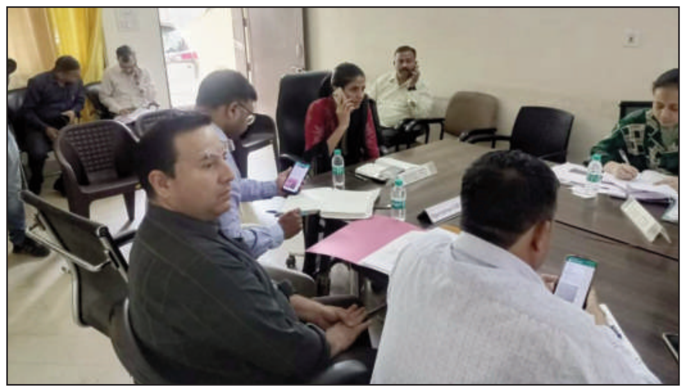

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून । चारधाम यात्रा एवं मानसून सीजन में आपदा प्रबन्धन की तैयारियों के दृष्टिगत जनपद में मॉक अभ्यास आयोजन किया गया। मॉकड्रिल के अनुसार प्रातः 09:50 बजे जिला अपदा प्रबन्धन कार्यालय के कन्ट्रोलरूम में दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई है कि महाराणा प्रताप स्टेडियम रायपुर के समीप ओआईसिस स्कूल के पास नदी में बाढ आने से तटीय क्षेत्र में कुछ बच्चे फंसे हुए हैं। सूचना का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी/ स्सिपांस आफिसर सोनिका ने तत्काल आईआरएस को सक्रिय करते हुए आईआरएस से जुड़े अधिकारियों को अपना दायित्व का निर्वहन करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी सोनिका ने आपदा परिचालन केन्द्र में पंहुचकर दोनों घटनाओ के सम्बन्ध में राहत बचाव कार्यों की मॉनिटिरिंग करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार को जनपद की रेस्क्यू कार्यों की पलपल की स्थिति की जानकारी दी।

जिलाधिकारी/ रिस्पांस आफीसर के निर्देशों के अनुपालन में आईआरएस से जुडे. सभी अधिकारी अपने-अपने ड्यूटी स्थल में पंहुचे। आईआरएस सिस्टम के अनुसार सभी अधिकारी अपने कार्य में जुट गए, जबकि अधीनस्थ एवं सम्बन्धित विभागीय अधिकारी/कर्मचारी स्टेजिंग एरिया में एकत्रित होकर राहत एवं बचाव कार्यों हेतु प्रभावित क्षेत्र के लिए अपने-2 संसाधनों के साथ रवाना हुए। जहां पर रेस्क्यू टीमों द्वारा प्रभावित क्षेत्र में फसें लोगों का बाहर निकाला। इस दौरान 10 लोग घायल हुए जिनमें से 01 घायल को जिला अस्पताल देहरादून तथा 04 घायलों को सीएचसी केन्द्र रायपुर तथा 04 सामान्य घायलो को ओआईसिस स्कूल में बने स्वास्थ्य कैम्प में उपचार कर छुट्टी दी गई, जबकि 01 व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जिसका शव बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के उपरान्त परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं बाढ से करीब 16 घरों को क्षति हुई जिनमें 01 आवासीय भवन पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त, 02 भवन तीक्ष्ण रूप से क्षतिग्रस्त 04 भवन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त तथा 09 भवनों में मलबा घुसने से क्षति हुई है। घटना के दौरान 01 पशु की मृत्यु हो गई 1 पशु गंभीर घायल तथा 01 पशु साधरण घायल हुआ तथा 07 पशुओं को रेस्क्यू किया। इस दौरान जल स्तर बढने की संभावना के दृष्टिगत एहतियात के तौर पर सौंग नदी किनारे बसे 10 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पंहुचाया गया।

डीआईजीए/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर द्वारा प्रभावित क्षेत्र में पंहुचकर आपदा बचाव कार्यों का सम्पादन/मॉनिटिर किया तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा ने प्रभावित क्षेत्र में पंहुचकर राहत बचाव कार्यों को सम्पादित किया। वहीं आपदा के दृष्टिगत महाराणा प्रताप स्पोर्टस कालेज में बनाये गए स्टेजिंग एरिया में उप जिलाधिकारी सदर, नगर मजिस्ट्रेट एवं अन्य 16 विभागों अधिकारी कर्मचारी सहित एनडीआरफ, एसडीआरफ, पुलिस द्वारा उपकरणों के साथ पंहुचकर प्रभावित क्षेत्र में राहत बचाव कार्य सम्पादित किया गया। इसी दौरान तहसील कार्यालय ऋषिकेश से आपदा परिचालन केन्द्र में प्रातः 10:20 बजे सूचना प्राप्त हुई कि ऋषिकेश बस स्टैण्ड पर भगदड़ मच गई, तथा कई लोग घायल हो गए। जिला आपदा परिचालन केन्द्र से थाना, चैकी प्रभारी को मयफोर्स मौके पर पंहुचने की सूचना दी गई। ऋषिकेश बस स्टैण्ड में भगदड़ के समय बस स्टैण्ड पर लगभग 7-8 हजार के बीच लोग उपस्थित थे। भगदड़ की सूचना पर स्थानीय थाना एवं चैकी की फोर्स सहित राजस्व विभाग, पुलिस एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौके पर पंहुचकर स्थिति पर काबू पाया, भगदड़ में 05 व्यक्ति घायल हुए जिनमें 03 सामान्य घायलों को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया तथा 02 गंभीर घायलों को उपचार हेतु एम्स चिकित्सालय में भर्ती किया गया।

आपदा मॉक अभ्यास के उपरान्त डी-ब्रीफिंग की गई जिसमें डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने राज्य आपदा परिचालन केन्द्र को राहत बचाव कार्यों की जानकारी दी गई। मॉक अभ्यास के दौरान पाई गई कमियों आदि बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा हुई तथा भविष्य के लिए तैयारियां और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ बनाने के निर्देश दिए गए। आपदा कन्ट्रोलरूम में जिलाधिकारी सोनिका, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, मुख्य कोषाधिकारी रोमिल चैधरी, सहायक निदेशक सूचना बीसी नेगी, ई-डिस्ट्रक्ट मैनेजर सुरेश सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जिला सूचना अधिकारी बी.सी नेगी द्वारा आपदा से सम्बन्धित पलपल की जानकारी मीडिया को दी गई। स्टेजिंग एरिया एवं प्रभावित क्षेत्र में डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, नगर मजिस्टेट कुश्म चैहान, एसडीआरफ, एनडीआरफ, पुलिस सहित, लोनिवि, सिंचाई, विभाग सहित 16 अन्य विभागों के अधिकारी कार्मिक रेस्क्यू कार्यों में उपस्थित रहे।

रामलीला भवन और परिसर को लेकर चल रहा था कई वर्षो से विवाद

रामलीला भवन के बाहर एक केनी और प्लास्टिक बेचने वाले व्यापारी ने किया हुआ है अतिक्रमण

संवाददाता (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)

हरिद्वार। नगर निगम में भीमगोड़ा स्थित रामलीला भवन को सील कर दिया है। आरोप है कि रामलीला भवन और परिसर का कुछ लोगों द्वारा व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा था। जिसके खिलाफ क्षेत्र निवासी सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार अग्रवाल ने परिवार सहित नगर निगम में धरना दिया था। इसके बाद ही नगर निगम प्रशासन ने रामलीला भवन को सील कर दिया।

रामलीला भवन नगर निगम के भूमि पर बना हुआ है, हालांकि लंबे समय से इसका संचालन कर रहे पूर्व पार्षद लखन लाल चौहान का दावा है कि नगर निगम कभी यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि जमीन उसकी है। कुछ लोग रामलीला भवन को लेकर ओछी राजनीति कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजकुमार अग्रवाल का कहना है कि आरोप है कि रामलीला भवन धार्मिक संपत्ति है। जिसका का कुछ लोग व्यवसायिक उपयोग कर मोटी कमाई कर रहे थे। जिसके खिलाफ उन्होंने आवाज उठाई। इस प्रकरण को लेकर भीमगोडा नई बस्ती में राजनीति हावी हो गई है और लोग कई गुटों में विभाजित हो गए हैं। लोगों में रामलीला भवन और उसके मैदान को लेकर हो रहे व्यवसायिक करण को लेकर काफी विरोध है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि

रामलीला भवन के बाहर बरगद और पीपल के पेड़ के चारों तरफ एक प्लास्टिक कैन बेचने वाले ने अतिक्रमण किया हुआ है। जिसको भारी मात्रा में प्लास्टिक केनों को रखने के लिए जगह उपलब्ध करवाने में भी एक पूर्व पार्षद नेता का ही हाथ है। विरोध का मुख्य कारण यह भी माना जा रहा है। लेकिन कोई सामने आकर बोलने को तैयार नहीं है। लेकिन अप्रिय घटना की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

पत्रकारिता की विश्वसनीयता और निष्पक्षता बेहद जरूरीः स्वामी अवधेशानंद गिरी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। जूना अखाड़ा पंच दशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर प्रख्यात संत स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि पत्रकारिता बेहद पवित्र और चुनौतीपूर्ण चित्र है समय के साथ चुनौतियां बड़ी है लेकिन पत्रकारिता की विश्वसनीयता लगातार बरकरार बनी हुई है। समय जैसा भी हो पत्रकारिता की विश्वसनीयता और निष्पक्षता बरकरार रहनी बेहद जरूरी है।

उन्होंने सोशल मीडिया के शुरू हो चुके दौर में फेक न्यूज सहित विभिन्न बदलाव को लेकर भी पत्रकारों से सतर्क रहने का आह्वान किया। गुरुवार को हरिद्वार प्रेस क्लब रजिस्टर्ड हरिद्वार की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में आशीर्वचन देते हुए स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि पत्रकारिता ने समय-समय पर अनेक बदलाव देखे हैं। एक जमाना था जब केवल प्रिंट मीडिया हुआ करता था, उसके बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब सोशल मीडिया आ भी गया है। वैसे तो मीडिया में समय-समय पर बदलाव बहुत हुए, लेकिन सुखद बात यह है कि पत्रकारिता खासकर प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की विश्वसनीयता लगातार बरकरार है। तेजी से फैल रहे सोशल मीडिया के जमाने में फेक न्यूज जैसे कुछ नई चुनौतियां सामने आ रही हैं, लेकिन पत्रकारिता से जुड़े सभी लोगों को यह ध्यान रखना होगा कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता,निष्पक्षता हमेशा बरकरार रहनी चाहिए। प्रेस क्लब की बुनियाद के दौरान उनके द्वारा दिए गए योगदान की चर्चा करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रेस क्लब की विकास यात्रा नई टीम के नेतृत्व में और तेज गति से बढ़ेगी।

शपथ ग्रहण समारोह में पहुचे मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री हरिद्वार सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि आज पत्रकारिता के सामने अनेक चुनौतियां बढ़ी हैं। सोशल मीडिया ने जिस तरह से अपना दायरा बढ़ाया है, पत्रकारिता के सामने की चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं, इस समय पत्रकारिता पत्रकारों के सामने पार्टी प्रतिस्पर्धा है सबसे पहले खबर पेश करने की जल्दबाजी के बीच पत्रकारिता पत्रकार की पूरी कार्यप्रणाली बदल कर रह गई है। उन्होंने पत्रकारों से न्यूज पर ही फोकस करने की बात कही तथा अनावश्यक न्यूज से अपने को सचेत रहने को कहा। न्यूज पर व्यूज नही थोपने की नसीहतें देते हुए उन्होंने उत्तराखंड राज्य के निर्माण और विकास में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत के अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र उर्फ किरण सिंह ने अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया और महासचिव मनोज सिंह रावत सहित पूरी टीम को प्रेस क्लब की तरक्की के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। इन्होंने ली शपथ- इस दौरान अतिथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया महासचिव मनोज सिंह रावत के अलावा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी व जगदीश शर्मा 'देशप्रेमी' समारोह सचिव, गुरप्रीत सिंह कालरा और सचिव बालकृष्ण शास्त्री, डॉ हिमांशु द्विवेदी, सुदेश आर्या, केके पालीवाल के अलावा कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में डॉ रजनी कांत शुक्ल, अविक्षित रमन, देवेंद्र शर्मा, डॉ प्रदीप कुमार जोशी, राजकुमार, एमएस नवाज, शिवकुमार शर्मा, अनिल चौधरी भास्कर, एहसान अंसारी, जयपाल सिंह, प्रवीण झा,सुभाष कपिल, अमित कुमार गुप्ता को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं का हो त्वरित समाधान:मुख्यमंत्री धामी

राज्य के समग्र विकास में सबकी भागीदारी हो सुनिश्चित

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। विभागीय अधिकारी विधायकगणों द्वारा इंगित की जाने वाली विधानसभा क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए, उनका समाधान करें। राज्य के समग्र विकास के लिए सबको एकजुट होकर कार्य करना होगा। जिलाधिकारी भी जनपदों में समय-समय पर विधायकगणों के साथ बैठक कर उनके क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान करें। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में विधान सभा क्षेत्र यमुनोत्री, बद्रीनाथ, प्रतापनगर, चकराता, ज्वालापुर, भगवानपुर, झबरेड़ा, पिरान कलियर, मंगलौर, लक्सर, खानपुर एवं हरिद्वार ग्रामीण की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाई जाय। यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रीष्म काल में लोगों को पेयजल की किल्लत न हो। विकास कार्यों में तेजी लाने तथा क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी कार्यों की प्रगति को देखने के लिए अधिकारियों को क्षेत्र आवंटित करें एवं समय-समय पर स्वयं निरीक्षण करें। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से तहसील स्तर पर भी आवश्यक उपकरणों एवं मानव संसाधन की पूरी व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में कृषि, बागवानी, पर्यटन, उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सराकर द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। स्वास्थ्य शिक्षा, कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। लोगों की आजीविका में वृद्धि के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

बैठक में विधाकगणों द्वारा सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़करण, पेयजल के लिए हैण्डपम्पों की आवश्यकता, पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने, बाढ़ सुरक्षा के कार्य, कूड़ा निस्तारण की समस्या, ड्रेनेज एवं सीवरेज की समस्या एवं अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकगणों द्वारा जो भी जन समस्याएं रखी गई हैं, उनका हर संभव समाधान किया जायेगा। बैठक के दौरान विधायकगणों ने प्रदेश के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की जा रही पहल की सराहना की। उन्होंने इस पहल को राज्य के व्यापक हित में भी बताया।

अतीक हत्या: बरेली में सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

बरेली। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के संबंध में सोशल मीडिया पर एक भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस के मुताबिक सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करके माहौल खराब करने का प्रयास करने के लिए सोमवार रात में इज्जतनगर पुलिस थाने में आरोपी फारुख (25) के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

बरेली के पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी ने बताया कि इसके बाद फारुख (25) को सूचना प्रौद्योगिकी कानून और भारतीय दंड संहिता की अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि फारुख के अलावा भोजीपुरा के कुछ लोगों ने भी सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट की हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार इन लोगों को चिह्नित कर रही है। एसपी (नगर) ने बताया कि आरोपी फारुख को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रयागराज में शनिवार देर रात तीन युवकों ने तब गोलीबारी करके अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या कर दी थी जब पुलिस दोनों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जा रही थी।

ईद उल फितर त्यौहार के दृष्टिगत पुलिस चौकी में हुआ विचार गोष्ठी का आयोजन

प्रमेंद्र नारायण(उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)

हरिद्वार। थाना बहादराबाद क्षेत्रांतर्गत स्थानीय संभ्रांत व्यक्तियों के साथ ईद उल फितर त्यौहार को सकुशल सौहार्दपूर्ण संपन्न कराए जाने हेतु मीटिंग ली गई जिसमें आसपास क्षेत्र के सभी गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए सभी व्यक्तियों से ईद का त्यौहार शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण मनाए जाने हेतु पुलिस का सहयोग करने का आग्रह किया तथा मौके पर शांति समिति का गठन किया गया जिन्हें ईद का त्यौहार तथा ईद की नमाज को शांतिपूर्ण तरीके से सकुशल संपन्न कराए जाने की जिम्मेदारी दी गई और हिदायत भी दी कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा त्यौहार में शांति व्यवस्था भंग की जाती है तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। जिसमें आसपास क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

आप ने विजिलेंस से की मेयर सुनील उनियाल गामा के भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंजियाल ने निष्पक्ष जांच का दिलाया भरोसा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने आज सतर्कता कार्यालय (विजिलेंस) पहुंचकर आय से अधिक संपत्ति एवं भ्रष्टाचार के मामले में देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा के विरुद्ध जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आर पी रतूड़ी ने राज्य सरकार को जीरो टोलरेंस के मामले घेरते हुए कहा जिनका मेयर ही भ्रष्टाचारी हो वे क्या जीरो टॉलरेंस की बात करेंगे

इस मौके पर गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र आनंद ने मेयर गामा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गामा ने जो तर्क पैसे कमाने का बताया है वह गले नहीं उतरता क्योंकि कोई भी व्यक्ति चाउमीन बेचकर करोड़ों रुपए नहीं कमा सकता हां यदि उस चाउमीन को बेचने में उनकी मदद तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने की है तो निश्चित तौर पर उत्तराखंड की जनता को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर मेयर साहब ने इतनी संपत्ति इकट्ठा की होगी। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने भी गामा पर तीखा हमला बोलते हुए जल्द से जल्द जांच की मांग की। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना और कमलेश रमन ने भी राज्य सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा।

इस पर एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंज्याल ने इस मामले की जांच कर कारवाई होने को आश्वस्त किया। इस मौके पर रिहाना परवीन, अशोक सेमवाल, सुशील सैनी, दीपक नीमरिनाया, विपिन नेगी, सुधा पटवाल आदि मौजूद रहे।

जब तक जीवित हूं, राकांपा के लिए काम करूंगा : अजित पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि वह जब तक जीवित हैं, अपनी पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। इसके साथ ही पवार ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह और उनके करीबी विधायक सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन कर सकते हैं।

विपक्ष के नेता पवार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राकांपा में किसी तरह के मतभेद और उनके भाजपा से हाथ मिलाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।

भाजपा के साथ उनके गठबंधन करने की अफवाह के बीच पवार ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया कि उन्होंने राकांपा के 53 में से 40 विधायकों के हस्ताक्षर लिए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की अपुष्ट खबरें पार्टी कार्यकर्ताओं को आहत करती हैं और उनमें भ्रम होता है।पवार ने कहा, हम सभी (पार्टी विधायक) राकांपा के साथ हैं। मैं जब तक जीवित रहूंगा, राकांपा के लिए काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि राकांपा ने महा विकास आघाडी को मजबूत करने का फैसला किया है और गठबंधन ने कई रैलियां आयोजित करने की योजना बनाई है जिनमें विभिन्न मुद्दों पर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को निशाना बनाया जाएगा। महागठबंधन मे शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राकांपा और कांग्रेस शामिल हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि (राकांपा) विधायकों के हस्ताक्षर नहीं लिए गए हैं। उन्होंने कहा,"हम एक परिवार के रूप में काम कर रहे हैं और ऐसा करते रहेंगे।" अजित पवार के अगले राजनीतिक कदम को लेकर अफवाहें पिछले हफ्ते तब शुरू हुई थीं जब उन्होंने अचानक अपनी पूर्व-निर्धारित बैठकें रद्द कर दीं और ऐसी टिप्पणियां कीं जिन्हें भाजपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे के प्रति उनके रुख में नरमी माना गया।

मंडियों में दो लाख 91 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूं की आवक

सिरसा (वार्ता) हरियाणा के सिरसा जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में दो लाख 91 हजार 814 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है।

वहीं मंडियों व खरीद केंद्रों में गेहूं फसल के उठान में ढिलाई को लेकर समाचार पत्रों में उठे सवालों के बाद बुधवार को उपायुक्त पार्थ गुप्ता मैदान में निकले। पार्थ गुप्ता ने मंडी में निरीक्षण से पूर्व अधिकारियों के साथ कैंप कार्यालय में गेहूं उठान व अन्य प्रबंधों कार्यों संबंधी समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठान कार्य में तेजी लाई जाए, इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही मंडी में पानी, बिजली, सड़क आदि की व्यवस्था सुचारु रुप से सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने सिरसा अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया व उठान कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उठान कार्य में ओर तेजी लाने को कहा। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अपने अनाज मंडी के दौरे के शुरुआत में ही सबसे पहले गेट पास प्रक्रिया को जांचा। इसके लिए वे स्वयं गेट पास रुम में गए और वहां ऑपरेटर से गेट पास जारी करने के संबंध में पूरी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित किसान से भी गेहूं के उत्पादन एवं आवक बारे जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि गेट पास में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। यदि पोर्टल पर किसान का सूचना प्रदर्शित नहीं हो रही है, तो दूरभाष पर किसान को सूचित किया जाए। उपायुक्त ने अनाज मंडी में गेहूं की ढेरी पर जाकर नमी मापक यंत्र से स्वयं गेहूं की नमी की जांच की। इसी प्रकार गेहूं की तुलवाई करवाकर कांटे का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फसल की नमी की मात्रा को नियमानुसार चेक कर खरीद करें, ताकि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। मंडियों में बारदाने की पूरी व्यवस्था की जाए ताकि फसल उठान में परेशानी का सामना न करना पड़े।

ड्राइविंग वित्तीय समावेशन पर सम्मेलन में की गयी चर्चा

नयी दिल्ली, (वार्ता) दिल्ली में बुधवार को भारत के आंतरिक इलाकों में 'ड्राइविंग वित्तीय समावेशन' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें मोबाइल कनेक्टिविटी, इंटरनेट बैंकिंग, लैंगिक मुद्दे और महिलाओं को सशक्त बनाने पर पर चर्चा की गई। इस सम्मेलन का आयोजन ग्रामीण फाउंडेशन इंडिया (जीएफआई) ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ मिलकर किया था। इस सम्मेलन ने समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं, भारत के आंतरिक इलाकों में एक स्थायी वित्तीय भविष्य के लिए सशक्त बनाने के लिए सहयोगी नवाचार को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा की गयी। जीएफआई ने अपने पिछले काम के आधार पर दर्शकों को चार नालेज प्रॉडक्ट भी प्रस्तुत किए। उद्योग के लिए भविष्य की सिफारिशें जैसे बीसी नेटवर्क में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग ग्रामीण आई-केयर फ्रेमवर्क, बीसी नेटवर्क्स में कम लागत वाली मार्केटिंग रणनीतियों की प्रभावशीलता की खोज, असिस्टेड ई-कॉमर्स और ओएनडीसी, भारत में बीसी एजेंटों के लिए एक नया राजस्व स्रोत और महिलाओं के अनुकूल सूक्ष्म बचत उत्पाद शामिल हैं।

50MP के चार कैमरों के साथ लांच हुआ Xiaomi 13 Ultra, जानें कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शोओमी ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन Xiaomi 13 Ultra लांच कर दिया है। हालांकि कंपनी का यह नया स्मार्टफोन चीन में लांच हुआ है लेकिन जल्द ही यह स्मार्टफोन भारत सहित अन्य बाजारों में भी दस्तक देगा। इस स्मार्टफोन को कई खूबियों के साथ लांच किया गया है। फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 चिपसेट, 2600 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ 2K 12-बिट डिस्प्ले जैसे फीचर्स मिलेंगे। फोन की डिस्प्ले सुरक्षा के लिए इसे कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस से प्रोटेक्ट किया गया है।

फोन के फीचर्स की बात करें तो Xiaomi 13 Ultra एंडरॉयड 13 पर लांच हुआ है जो मीयूआई के साथ मिलकर काम करता है। प्रोसेसिंग के लिए इस फोन में 4नैनोमीटर फेब्रिकेशन्स पर क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 8जेन 2 आक्टाकोर प्रोसेसर दिया गया है। फोन LPDDR5X RAM और UFS 4.0 Storage तकनीक पर काम करता है। फोन के कैमरा सेटअप की बात करें तो इसके बैक पैनल में 4 कैमरा सेंसर दिए गए हैं जिनमें 50 मेगापिक्सल लेंस लगे हैं। प्राइमरी सेंसर 50MP 1 Sony IMX989 है जिसके साथ तीन अन्य 50MP IMX858 लेंस फोन में दिए गए हैं। शाओमी 13 अल्ट्रा का कैमरा 12एमएम से लेकर 120एमएम तक शूट कर सकता है। इसी तरह रियर कैमरा सेटअप में एफ/1.8 अपर्चर से लेकर एफ/3.0 अपर्चर तक की क्षमता मिलती है। फोन के फ्रंट पैनल पर एफ/2.0 अपर्चर वाला 32 मेगापिक्सल सेल्फी सेंसर मौजूद है।

Xiaomi 13 Ultra स्मार्टफोन के बैटरी बैकअप की बात करें तो फोन में 5 हजार mAh की बैटरी दी गई है जो 90 वॉट फास्ट चार्जिंग तकनीक से लैस है। यह स्मार्टफोन लगभग 34 मिनट में फुल चार्ज हो जाता है। कंपनी ने इस स्मार्टफोन को तीन वेरिएंट्स में लांच किया है। फोन का बेस वेरिएंट 12जीबी रैम के साथ 256जीबी स्टोरेज के साथ आता है। इसकी कीमत करीब 71,599 रुपए है। जबकि 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 77,599 रुपए के करीब है।

हमें विकास को बाधित करने वाले जोखिमों की पहचान करने एवं कम करने की आवश्यकता है: रत्नू

नयी दिल्ली, (वार्ता)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने बुधवार को 'न्यू एज रिस्क' पर एक सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें उद्योग और कामकाजी माहौल को प्रभावित करने वाले पारंपरिक जोखिम मापदंडों और उभरते जोखिमों की प्रवृत्ति पर चर्चा की गयी। इस मौके पर फिक्की और पिंकर्टन द्वारा संयुक्त रूप से 'इंडिया रिस्क सर्वे 2022 रिपोर्ट' जारी की गयी। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक राजेंद्र रत्नू ने जोखिम प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "हमें अपनी विकास प्रक्रिया में बाधा डालने वाले जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने की आवश्यकता है।" उन्होंने जोखिमों के बारे में हितधारकों को संवेदनशील बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "मैं इस विशेष इंडिया रिस्क सर्वे के प्रबंधन में फिक्की के साथ जुड़कर खुश हूं, जहां हम अमृतकाल के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान दे रहे हैं। हम अक्सर व्यावहारिक जोखिम की चर्चा करते हैं और जोखिम प्रबंधन में यह महत्वपूर्ण कुंजी है, क्योंकि यदि आपके पास एक अच्छा कार्यबल है तो अन्य कारक ही कार्य में आएंगे।"

ऑडी इंडिया की बिक्री में पहली तिमाही 126 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने चालू वर्ष की पहली तिमाही में कुल 1950 कारों की बिक्री की जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की बिक्री की तुलना में 126 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने आज यहां जनवरी से मार्च 2023 के दौरान कुल 1,950 कारों की बिक्री हुई है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, "हमने पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 2023 की पहली तिमाही में 126 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी है। हमारे उत्पाद लाइन-अप में 16 मॉडल हैं और वर्तमान में हमारे पास सबसे मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो है जो हमारी कुल बिक्री (2023 पहली तिमाही में) का 60 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है। उन्होंने बताया कि नई लांच हुई ऑडी क्यू3 और ऑडी क्यू3 स्पोर्टबैक की देश भर में जबरदस्त मांग है। हम वृद्धि के रास्ते पर हैं और वर्ष 2023 तक तेज प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।"ऑडी इंडिया ने भारत में अपने प्री-ओन्ड कार व्यवसाय, ऑडी अप्रूव्डः प्लस का विस्तार जारी रखा है। वर्तमान में देश के सभी प्रमुख केंद्रों में 22 ऑडी अप्रूव्डः प्लस शोरूम के साथ काम कर रहा है और ब्रांड तेजी से विस्तार कर रहा है। 2023 के अंत तक 25 से अधिक प्री-ओन्ड कार सुविधाओं की मौजूदगी होगी।

ग्लोबल चेस लीग के लोगो का अनावरण

नयी दिल्ली, (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) और टेक महिंद्रा के संयुक्त उद्यम ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) ने बुधवार को अपने आधिकारिक लोगो का अनावरण किया।

यह लोगो 64 ख़ानों के साथ एक शतरंज बोर्ड जैसा दिखता है। पहली बार जीसीएल के उद्घाटन से '64' दिन पहले लोगो को रणनीतिक रूप से लॉन्च किया गया है। जीसीएल का आयोजन 21 जून से दो जुलाई 2023 के बीच होगा और यह दुनिया का सबसे बड़ा और पहला लीग-शैली वाला शतरंज टूर्नामेंट है। जीसीएल के पहले संस्करण में छह टीमें होंगी, जिनमें से प्रत्येक में छह खिलाड़ी होंगे। हर टीम में कम से कम दो महिला खिलाड़ी और एक आइकन खिलाड़ी होगा। पांच बार के विश्व चैंपियन और जीसीएल मेंटर विश्वनाथन आनंद ने कहा, ₹जैसे-जैसे हम टूर्नामेंट की शुरुआत के करीब आ रहे हैं, हम देख रहे हैं कि हमारी सभी योजनाएं फलीभूत हो रही हैं। जीसीएल लोगो टूर्नामेंट के लिये हमारी दृष्टि का प्रतिबिंब है। हमें उम्मीद है कि प्रशंसक हमारे द्वारा यहां बनायी गयी अवधारणा को पसंद करेंगे। जीसीएल का प्राथमिक उद्देश्य विश्व स्तर पर शतरंज के खेल को बढ़ावा देना और इसे जनता के लिये आकर्षक बनाना है।₹

फिडे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुतोव्स्की एमिल ने कहा, ₹जीसीएल का उद्देश्य विश्व स्तर पर शतरंज को खेलने, देखने और देखने के तरीके को बदलना है। हम उद्घाटन सत्र से कुछ ही सप्ताह दूर हैं, और हम लीग के आधिकारिक लोगो को लॉन्च करके खुश हैं। फिडे जून 2023 में जीसीएल की रोमांचक शुरुआत के लिये तत्पर है।" प्रत्येक टीम टूर्नामेंट में सभी छह बोर्डों में रैपिड प्रारूप में 10 मैच खेलेगी। राउंड-रॉबिन प्रारूप के बाद शीर्ष दो टीमें दो जुलाई को फाइनल में पहुंचेंगी और विजेता टीम को विश्व चैंपियन फ्रेंचाइजी टीम का ताज पहनाया जाएगा। ग्लोबल चेस लीग बोर्ड के अध्यक्ष जगदीश मित्रा ने कहा, ₹हम आधिकारिक ब्रांड लोगो लॉन्च करके उत्साहित हैं। इसे काफी विचार और सहयोग के बाद बनाया गया है। जीसीएल ब्रांड लोगो विशिष्ट रूप से शतरंज के 64 चतुर्भुजों से तैयार और डिजाइन किया गया है। हमारा मानना है कि जीसीएल शतरंज में एक नयी शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है और सावधानी से डिजाइन किया गया ब्रांड लोगो उस दिशा में पहला कदम है।

IPL 2023 : लखनऊ सुपर जायंट्स का लाजवाब खेल, राजस्थान रॉयल्स से 10 रन से जीत लिया मैच

जयपुर। आईपीएल का 26वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स व राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया, जिसे लखनऊ सुपर जायंट्स ने 10 रन से जीत लिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 154 रन बनाए। फिर जवाब में 155 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स को 20 ओवर में 144/6 रन पर रोक मैच जीत लिया। इससे पहले लखनऊ के लिए खेलते हुए काइल मेयर्स ने 42 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। कप्तान केएल राहुल ने 39 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 28 और मार्कस स्टोइनिस ने 21 रन बनाए। वहीं, रविचंद्रन अश्विन को दो विकेट मिले। ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा और जेसन होल्डर को एक-एक विकेट मिला। काइल मेयर्स ने मौजूदा सीजन का तीसरा अद्र्धशतक जमाया। उन्होंने 40 गेंदों में फिफ्टी पूरी है। उन्होंने 42 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। इस पारी में चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। कप्तान केएल राहुल और काइल मेयर्स ने धीमी शुरुआत के बाद 65 गेंद पर 82 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम को धीम, लेकिन मजबूत शुरुआत दिलाई।

अतंरराष्ट्रीय

बाइडेन वाशिंगटन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति, उनकी पत्नी का करेंगे स्वागत

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 26 अप्रैल को वाशिंगटन में आधिकारिक यात्रा के लिए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक इयोल और उनकी पत्नी किम केओन की मेजबानी करेंगे। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी है।

व्हाइट हाउस ने एक वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन अमेरिका की राजकीय यात्रा के लिए राष्ट्रपति यून सुक इयोल और उनकी पत्नी किम केओन की 26 अप्रैल को उनकी राजकीय यात्रा की मेजबानी करेंगे, जिसमें राजकीय रात्रिभोज भी शामिल होगा। राष्ट्रपति, देश की प्रथम महिला ने एक बयान में कहा, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, और डग एम्हॉफ (सेकंड जेंटलमेंन) बुधवार सुबह आधिकारिक आगमन समारोह के लिए कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति यून और श्रीमती किम का स्वागत करेंगे। बयान के अनुसार यह यात्रा अमेरिका और कोरिया के बीच संबंध और गठबंधन को प्रगाढ करेगी, जो कि कोरियाई प्रायद्वीप से बहुत आगे बढ़ गया है और अब इंडो-पैसिफिक और दुनिया भर में एक ताकत के रूप में उभरा है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के दोनों शीर्ष नेताओं के बीच एक मजबूत और प्रबल एकीकृत गठबंधन वाले दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद है। जो भारत-प्रशांत और उससे आगे शांति, स्थिरता और समृद्धि बनाए रखता है। अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला कोरियाई युद्ध स्मारक की दौरे पर श्री यून और उनकी पत्नी के साथ रहेंगे।

लाशों का ढेर; सहायता केंद्र में मची भगदड़, 80 लोगों की मौत, 200 से ज्यादा घायल

सना। यमन की राजधानी सना के बाब अल-यमन इलाके में एक सहायता केंद्र में मची भगदड़ में कम से कम 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि 220 से ज्यादा लोग घायल हो गये। यह जानकारी गुरुवार को हाउती द्वारा संचालित स्वास्थ्य प्राधिकरण ने दी। हूती स्वास्थ्य प्राधिकरण के आधिकारिक प्रवक्ता अनीस अल-सुबैही ने बुधवार को कहा कि चिकित्साकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायलों को इलाज के लिए सना के कई अस्पतालों में भेजा गया है। हाउती द्वारा संचालित अल-मसीराह टीवी ने कहा कि स्थानीय व्यापारियों द्वारा नकदी वितरण करने के दौरान यह भगदड़ मची, जिसका आयोजन बिना किसी संगठन या मंत्रालय के सहयोग के किया गया था। मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल खालिक अल-अजरी के हवाले बताया गया है कि नकदी का अनियंत्रित वितरण करने के लिए जिम्मेदार दो व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया है और घटना की जांच चल रही है। वर्षों के संघर्ष से गरीब हुए कई यमनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चैरिटी केंद्रों में उमड़ पड़े क्योंकि मुसलमानों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार ईद अल-फितर नजदीक आ रहा है।

यमन 2014 के अंत से गृह युद्ध में घिर गया है, जब ईरान समर्थित हौउती मिलिशिया ने कई उत्तरी प्रांतों पर नियंत्रण कर लिया और सऊदी समर्थित यमनी सरकार को राजधानी सना से बाहर कर दिया था। युद्ध में हजारों लोगों की मौत हो गई थी और 40 लाख लोग विस्थापित हो गए थे और गृह युद्ध ने यमन को भुखमरी के कगार पर धकेल दिया था।

उत्तराखंड प्रहरी **छोटी खबरें**

दर्दनाक सड़क हादसा: 35 लोगों की मौत, हाई-वे पर शराब पीकर गाड़ी चलाना पड़ा महंगा

वियनतियाने। लाओस में 11 से 17 अप्रैल तक नववर्ष की छुट्टियों के दौरान सडक दुर्घटनाओं में कुल 35 लोगों की मौत और 611 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी गुरुवार को अधिकारियों ने दी। लाओस के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले यातायात पुलिस विभाग के उप प्रमुख खामलेक जायसिथ ने एक संवाददाताओं से कहा कि नव वर्ष की छुट्टियों में पूरे देश में कुल 342 सडक दुर्घटनाओं में 35 लोगों की मौत हो गई है और 611 लोग घायल हुए है। साथ ही 589 वाहन क्षतिग्रस्त हुए है। श्री खामलेक ने कहा कि सडक दुर्घटनाओं का मुख्य कारण शराब पीकर तेज गति से गाड़ी चलाना है। लाओस में नव वर्ष सबसे महत्वपूर्ण त्योहार होता है। कोविड-19 महामारी के कारण लगातार तीन वर्षों तक यह कार्यक्रम रद्द रहा, लेकिन इस वर्ष दक्षिण पूर्व एशियाई देश में लोगों ने नव वर्ष का जश्न मनाया। इस वर्ष यातायात पुलिस विभाग ने छुट्टियों के दौरान सडक यातायात सुरक्षा में सुधार लाने के लिए योजनाएं तैयार की है और यातायात नियमों के उल्लंघन की निगरानी और रोकथाम के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया है।

कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दे पर निकाय चुनाव लड़ेगी भाजपा: योगी

गोरखपुर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मजबूत कानून व्यवस्था और अभूतपूर्व विकास के मुद्दे पर निकाय चुनाव लड़ेगी। योगी ने गोरखपुर मंडल के चारो जिलों को मिलाकर एक नगर निगम, सात नगर पालिका और 44 नगर पंचायतों के चुनाव में भाजपा की जीत के लिये एक के बाद एक पांच बैठकें कीं। उन्होने अब तक हुई चुनावी तैयारियों का हाल जाना और जीत के लिए जरूरी टिप्स दिए। उन्होंने साफ किया कि पार्टी के पास कानून व्यवस्था और विकास का बेहद मजबूत आधार है। भाजपा इसी मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी, इसलिए सिर्फ हर निकाय प्रमुख पद पर ही जीत दर्ज करने पर ही केंद्रित नहीं होना है बल्कि सभी निकायों में भाजपा के स्पष्ट बहुमत का बोर्ड बनवाने पर भी गंभीरता से ध्यान देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकाय चुनाव के लिए भी भाजपा संकल्प पत्र जारी करेगी। उन्होंने सभी भाजपा प्रत्याशियों को विजय हासिल करने की शुभकामनाएं भी दीं। अपरान्ह एक बजे से शुरू बैठकों की श्रृंखला में एक.एक घण्टे कुशीनगर, महराजगंज, देवरिया और गोरखपुर जिलों के नगर निकायों में अब तक हुई चुनावी तैयारियों की जिलेवार चुनाव संचालन समिति के लोगों विस्तार से जानकारी ली। इन बैठकों के बाद मुख्यमंत्री गोरखपुर क्लब में पांचवीं बैठक करने पहुंचे। यह बैठक गोरखपुर नगर निगम चुनाव पर केंद्रित रही। बैठकों में प्रत्याशियों और प्रमुख कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेने के बाद योगी ने कहा "इस बार के नगर निकाय चुनाव में आपके साथ भाजपा की डबल इंजन सरकार की ताकत है। इस चुनाव में एक और इंजन जोड़कर हर निकाय क्षेत्र में ट्रिपल इंजन सरकार का गठन करना है। जनता के बीच यह संदेश स्पष्ट होना चाहिए कि ट्रिपल इंजन सरकार विकास और जनकल्याण को बुलेट ट्रेन की रफ्तार देने की गारंटी होगी।" उन्होंने कहा कि सभी निकायों में अभूतपूर्व विकास कार्यों व जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों की वृहद सूची है।

सूडान हिंसा पर भारत की पैनी नजर, भारतीयों की सुरक्षा के लिए चार देशों के संपर्क में हिंदुस्तान

नई दिल्ली। भारत, सूडान में हिंसा की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है, खास तौर पर ऐसी स्थिति में जब वहां भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। सूडान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और हिफाजत सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार विभिन्न देशों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इसमें अमरीका, ब्रिटेन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे चार देशों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात दोनों ही नेताओं ने भारत को जमीनी स्तर पर जरूरी समर्थन का भरोसा दिया है। अमरीका में भारत के राजदूत और लंदन में भारतीय उच्चायुक्त भी इन देशों के संबंधित अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। इसके साथ ही सूडान में पर्याप्त मौजूदगी रखने वाले संयुक्त राष्ट्र के साथ भी भारत लगातार संपर्क बनाए हुए है।

भारत के विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा कि उन्होंने यूएई के अपने समकक्ष के साथ सूडान की स्थिति को लेकर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया कि यूएई के विदेश मंत्री का सूडान की स्थिति पर विचारों का आदान प्रदान करने के लिए धन्यवाद। हमारा लगातार समन्वय मददगार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से भी बातचीत की। उन्होंने ट्वीट किया कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से अभी-अभी बात की। हम करीबी संपर्क कायम रखेंगे।

खार्तूम। सूडान के स्वास्थ्य आपात संचालन केंद्र ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सूचित किया है कि सूडान में संघर्ष में करीब 270 लोग मारे गए हैं और 2,600 से अधिक घायल हुए हैं। यह जानकारी डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने दी। इससे पहले डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि सूडान में 185 लोग मारे गए हैं और लगभग 1,800 घायल हुए हैं। महानिदेशक ने एक ब्रीफिंग में कहा कि सूडान गणराज्य में स्थिति गंभीर रूप से चिंताजनक है।

अगर शाह को फोन करने की बात सच हुई, तो दे दूंगी इस्तीफा, शुभेंदु अधिकारी के दावे पर बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सियासी हलचल अपने चरम पर हैं। एक ओर जहां मुकुल रॉय के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की बात चल रही है। वहीं तृणमूल कांग्रेस का केंद्रीय पार्टी का दर्जा छिन जाने के बाद बीजेपी और टीएमसी में जंग का एक और मुहाना खुल गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि अगर यह साबित हो जाता है कि तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीने जाने के बाद उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन किया, तो वह इस्तीफा दे देंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी का नाम ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस बना रहेगा। ममता बनर्जी ने कहा कि अगर यह साबित होता है कि मैंने टीएमसी के राष्ट्रीय दर्जे को लेकर अमित शाह को फोन किया था, तो मैं इस्तीफा दे दूंगी। बता दें कि शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को दावा किया था कि निर्वाचन आयोग ने जब टीएमसी का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खत्म कर दिया था, तो बनर्जी ने अमित शाह को फोन कर उनसे फैसले को निरस्त करने का अनुरोध किया था।

बेटियां भी विवाह खर्च पाने की हकदार, केरल हाई कोर्ट ने पिता के खिलाफ दायर याचिका पर सुनाया अहम फैसला

तिरुवनंतपुरम। केरल हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि किसी भी अविवाहित बेटी को अपने पिता से उचित विवाह खर्च पाने का अधिकार है। भले ही वह किसी भी धर्म से ताल्लुक रखती हो। जस्टिस अनिल के नरेंद्रन और जस्टिस पीजी अजित कुमार की खंडपीठ ने कहा कि इस अधिकार को किसी भी धर्म की मान्यता की आड़ में खत्म नहीं किया जा सकता है। दो जजों की खंचपीठ ने कहा कि एक अविवाहित बेटी का अपने पिता से विवाह संबंधी उचित खर्च पाने का अधिकार, धार्मिक अड़चनों के आड़े नहीं आ सकता। यह हर अविवाहित बेटी का अधिकार है, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। किसी भी धर्म के आधार पर इस तरह के अधिकार में भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं किया जा सकता है। खंडपीठ ने एक पिता के खिलाफ दो अविवाहित बेटियों की याचिका पर ये फैसला सुनाया है। याचिका दायर करने वाली दोनों बेटियों ने अपनी शादी के खर्च के लिए

45.92 लाख रुपए की राशि की डिक्री जारी करने और अपने पिता की संपत्ति पर डिक्री की मांग करते हुए एक पारिवारिक अदालत का रुख किया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों बेटियों ने अपनी अर्जी में अपने पिता को उस संपत्ति को अलग करने से रोकने के लिए एक अस्थायी निषेधाज्ञा भी मांगी, जिसका उन्होंने दावा किया था कि उनकी मां और उनके परिवार की वित्तीय मदद से वह संपत्ति खरीदी गई थी। पारिवारिक अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता शादी के लिए केवल न्यूनतम आवश्यक खर्चों का दावा करने की हकदार हैं।

पायरेसी पर रोक लगाएगी सरकार, मोदी कैबिनेट में फैसला, लाया जाएगा सिनेमेटोग्राफ एक्ट

नईदिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को फिल्मों की पायरेसी को रोकने के लिए सिनेमेटोग्राफ एक्ट-2023 लाने का फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस संबंध में बताया कि इस संबंध में आने वाले संसद सत्र में सिनेमेटोग्राफी बिल-2023 लाया जाएगा। बहुत समय से मांग थी कि पायरेसी पर कुछ किया जाए, जिसके बाद फिल्म जगत, कलाकारों और प्रशंसकों से जुड़ा हुआ निर्णय लिया गया है। इधर, मोदी सरकार ने नेशनल क्वांटम मिशन के लिए मंजूरी भी दी है। इसके लिए 6,003 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। 2023-24 से 2030-31 तक का इसकी समयसीमा है। इसके लिए चार हब बनाए जाएंगे। इनका संचालन विज्ञान एवं तकनीक विभाग के मिशन डायरेक्टर करेंगे। मिशन को दिशा-निर्देश देने के लिए एक गवर्निंग बॉडी होगी। क्वांटम तकनीक भौतिकी (फिजिक्स) की एक शाखा है। यह आज के समय के कम्प्यूटरों में प्रयोग होने वाली तकनीक से बेहतर मानी जा रही है। इसका प्रयोग सफल रहा है। इस तकनीक से कम्प्यूटिंग में काफी मदद मिली है। इसके जरिए डाटा प्रोसेस और अपनी जरूरत के हिसाब से तैयार करने में आसानी होती है। उन्होंने कहा कि इस मिशन के तहत एक संचालन समिति का गठन किया जाएगा और इसकी अध्यक्षता कोई जाना माना वैज्ञानिक कर सकता है। इस मिशन में सरकार के पांच से छह मंत्रालय काम करेंगे।

सर्वानन्द घाट के एनएच ब्रिज का क्षतिग्रस्त होने तथा दुधियाबन्ध (ठोकर नम्बर-1) में बाढ़ की स्थिति पैदा होने की सूचना पर मचा हड़कंप

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (यू.एस.डी.एम.ए.) उत्तराखण्ड शासन द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार के सहयोग से आगामी चारधाम यात्रा 2023 की तैयारियों के दृष्टिगत बृहस्पतिवार को एक साथ चारधाम यात्रा वाले जनपदों- चमोली, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी में प्राकृतिक अथवा मानवजनित घटना होने की स्थिति में पर्यटकों/तीर्थयात्रियों को किस प्रकार से आपदा प्रबन्धन के माध्यम से सहायता पहुंचाई जा सकती है, के सम्बन्ध में प्रत्येक जनपद की परिस्थितियों के अनुसार राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया, जिसकी मॉनिटरिंग देहरादून से की जा रही थी। जनपद हरिद्वार में जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, इंसीडेंट रिस्पांश सिस्टम विशेषज्ञ के नेतृत्व में, अचानक बारिस होने के कारण गंगा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ने की वजह से, विष्णुघाट, सर्वानन्द घाट-एनएच ब्रिज का क्षतिग्रस्त होने तथा दुधियाबन्ध (ठोकर नम्बर-1) में बाढ़ की स्थिति पैदा होने की सूचना पर वृहद स्तर पर मॉक ड्रिल किया गया।

मॉक ड्रिल के अन्तर्गत मौसम विभाग ने पूर्व में भारी वर्षा होने के कारण विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ व जल भराव की स्थिति पैदा होने की चेतावनी दी गयी थी, जिससे जिला प्रशासन तथा पूरे सिस्टम को एलर्ट मोड में रखा गया था। मॉक ड्रिल के अन्तर्गत आज अचानक भारी वर्षा होने से आपदा प्रबन्धन कण्ट्रोल रूम को प्रातः 09 बजकर 35 मिनट पर सूचना मिली कि गंगा का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण विष्णुघाट, सर्वानन्द घाट, एनएच ब्रिज के पास तथा दुधियाबन्ध(ठोकर नम्बर-1) में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गयी है। इस सूचना को तुरन्त आपदा प्रबन्धन विभाग ने जिलाधिकारी/रिस्पांश अधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, प्लान सेक्सन, ई0ओ0सी0 कमाण्ड, एन0डी0आर0एफ0, एनएसएस स्वयं सेवक, आपदा मित्रों को देने के साथ ही वायरलेस के माध्यम से सभी जगह प्रसारित कराया तथा देखते-देखते सीसीआर आदि से प्रसारित हुटर की आवाज चारों तरफ गूंजने लगी एवं सड़कों पर प्रचार वाहन के माध्यम से प्रसारित किया जाने लगा कि विष्णुघाट, सर्वानन्द घाट- एनएच ब्रिज के आसपास तथा दुधियाबन्ध में बाढ़ की स्थिति पैदा गयी है तथा सभी क्षेत्रवासियों से अपील है कि वे बिना घबड़ाये सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जायें।

जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह तथा सम्बन्धित अधिकारी सूचना प्राप्त होते ही तुरन्त आपदा प्रबन्धन कार्यालय में बनाये गये ऑन लाइन कांफ्रेंस रूम में पहुंचे तथा आपदा की स्थिति से निपटने के लिये तुरन्त आपात बैठक बुलाई तथा आईआरएस सिस्टम को सक्रिय किया गया, जिलाधिकारी ने सम्बन्धित

बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को ऑन लाइन जोड़ने के निर्देश दिये, देखते-देखते सभी घटना स्थल ऑन जुड़ गये, जिससे उन्होंने पूरे बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के घटना स्थलों की पूरी जानकारी ली। इसकी सूचना आपदा कण्ट्रोल रूम द्वारा राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र देहरादून को भी दी गयी। जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय को अधिकारियों ने बताया कि गंगा का जल स्तर खतरे के निशान 294 मी0 से ऊपर है। इस पर जिलाधिकारी ने बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुये तुरन्त भीमगौड़ा बैराज को, जल स्तर को नियंत्रित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी को थोड़ी-थोड़ी देर में अधिकारी बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से कितनी जनहानि हुई, कितनी पशु हानि हुई, कितने घायल हुये हैं तथा कितने लापता होने की संभावना है, के सम्बन्ध में लगातार जानकारी दे रहे थे। जिलाधिकारी ने तुरन्त निर्देश दिये कि जल पुलिस, हैवी वोट को तुरन्त भेजा जाय, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ को तैनात करें, क्षेत्र में मेडिकल टीम भेजी जाये तथा फंसे हुये लोगों व मवेशियों को निकालने की तुरन्त कार्रवाई की जाये।

विनय शंकर पाण्डेय ने थोड़े अन्तराल के बाद ऑन द स्पॉट (विष्णुघाट, सर्वानन्द घाट तथा दुधियाबन्ध) अधिकारियों से जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि जो व्यक्ति लापता थे, उनको खोज लिया गया है, जे0सी0बी0 व मेडिकल टीम तथा एनडीआरएफ सहित सभी सम्बन्धित ने घटना स्थलों पर पहुंचकर बचाव कार्य प्रारम्भ कर दिये हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जो लोग बाढ़ से प्रभावित हुये हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाये तथा उनके लिये भोजन के पैकेट तथा पानी आदि की पूरी व्यवस्था की जाये। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि लक्सर क्षेत्र के निवासियों को बाढ़ की सूचना से अलर्ट कर दिया गया है तथा कण्ट्रोल रूम से पूरी परिस्थितियों पर नजर रखी जा रही है। विनय शंकर पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिये बाढ़ से कितनी जनहानि तथा कितनी पशुहानि हुई है, का एक विस्तृत विवरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इतने में अधिकारियों ने जानकारी दी कि गंगा का जल स्तर धीरे-धीरे कम होने की ओर है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि इस नजर बनाये रखें। बाद में अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ की इस घटना में 10 लोगों ने अपनी जान गवाई, 35 घायल व 100 लापता हुये तथा इसी तरह पशुओं में 25 की मृत्यु, 18 घायल तथा 16 लापता हुये थे, घटना में घायलों का आवश्यकता के अनुसार उपचार किया गया। घायलों में दो- एक पुरूष तथा एक महिला, जो गंभीर रूप से घायल थे, जिन्हें जिलाधिकारी द्वारा राज्य आपदा प्रबन्धन केन्द्र से एम्स ऋषिकेश पहुंचाने के लिये हेलीकाप्टर की मांग की थी, तुरन्त थोड़ी देर में हेलीकाप्टर भल्ला मैदान पहुंच गया, जहां से इन दो गंभीर घायलों को हेलीकाप्टर से ऋषिकेश एम्स पहुंचाया गया। इसी तरह घायल पशुओं का भी घटना स्थल पर तथा सम्बन्धित पशु अस्पताल में इलाज किया गया। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि जितने भी लोग तथा पशु लापता थे, उनकी खोजबीन कर ली गयी है तथा जिन लोगों तथा मवेशियों की इस घटना में मृत्य हुई है, उनको मुआवजा देने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है।

जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय निरन्तर घटना स्थल पर कड़ी नजर रखे हुये थे तथा जहां पर जिस तरह की आवश्यकतायें ऑन द स्पॉट महसूस की जा रहीं थी, उनकी तुरन्त व्यवस्था की जा रही थी।

मॉक ड्रिल के पश्चात डी0 ब्रीफिंग की गयी, जिसमें मॉक ड्रिल के बाद सभी ने अपने-अपने अनुभव साझा किये।

देहरादून से मॉनिटरिंग कर रही अधिकारियों की टीम, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, इंसीडेंट रिस्पांश सिस्टम विशेषज्ञ आदि ने मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन के अधिकारियों, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस, पीएसी, आपदा मित्र, स्वैच्छिक संगठनों स्टेजिंग एरिया, इंसीडेंट साइट, रिलीफ सेण्टर आदि को मॉक ड्रिल में प्रभावी रिस्पांश देने के लिये बधाई दी तथा सभी का उत्साहवर्द्धन किया तथा सफल चारधाम यात्रा के लिये शुभकामनायें दी।

मॉक ड्रिल के मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुदियाल, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, सहायक परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला पूति अधिकारी मुकेश कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 यागेश शर्मा, आपदा प्रबन्धन अधिकारी सुश्री मीरा रावत, एनडीआरएफ के आब्जर्वर सुधांशु जोशी एवं धीरेन्द्र रावत, सेना के आब्जर्वर, पुलिस, पीएसी, पीएसी की फ्लड कम्पनी, सीआईएसएफ, अग्निशमन टीम, पीएसी की दो कम्पनियां यातायात

जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

डीएम विनय शंकर पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिये बाढ़ से कितनी जनहानि तथा कितनी पशुहानि हुई है, का एक विस्तृत विवरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जो लोग बाढ़ से प्रभावित हुये हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाये तथा उनके लिये भोजन के पैकेट तथा पानी आदि की पूरी व्यवस्था की जाये। बाढ़ की इस घटना में 10 लोगों ने अपनी जान गवाई, 35 घायल व 100 लापता हुये तथा इसी तरह पशुओं में 25 की मृत्यु, 18 घायल तथा 16 लापता हुये थे, घटना में घायलों का आवश्यकता के अनुसार उपचार किया गया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com